गम्हरिया गाँव बना प्लास्टिक और कचरा मुक्त

चर्चा में क्यों?

17 अगस्त, 2021 को छत्तीसगढ़ के **जशपुर ज़िले के गम्हरिया गाँव** को प्लास्टिक और कचरा मुक्त घोषित किया गया। इससे पहले इसे खुले में **शौच मुक्त (ओडीएफ)** गाँव घोषित किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- यह गम्हरिया में सूरजपुर स्वयं सहायता समूह की '**सफाई मित्र**' महिलाओं के माध्यम से संभव हुआ है, जो घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करती हैं। ग्रामीण अब उन्हें सम्मानपूर्वक '**स्वच्छता दीदी**' कहते हैं।
- समूह ने कचरा निपटान और कचरा प्रबंधन को कमाई का एक अतिरिक्त स्रोत बनाया है। पिछले एक साल में उन्होंने 63,000 रुपए कमाए।
- गम्हरिया के सरपंच विलियम कुजूर ने बताया कि गाँव में सेग्रीगेशन शेड (ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन केंद्र) बनाया गया है [महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना](https://www.drishtiias.com) और [स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)](https://www.drishtiias.com) से धन उपलब्ध कराया गया।
- स्वयं सहायता समूह की सचिव सुनीता कुजूर ने बताया कि पॉलीथिन, खाद्य पदार्थों के पैकिंग रैपर, प्लास्टिक के सामान, लोहे के कबाड़ और काँच जैसे ठोस कचरे को अलग-अलग करके बेचा जाता है।
- उन्होंने कहा कि जुलाई 2020 से 12 महिलाएँ समूह के लिये काम कर रही हैं। समूह प्रत्येक घर से 10 रुपए प्रतिमाह और कूड़ा उठाने के लिये दुकानदारों से 20 रुपए प्रतिमाह एकत्र करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gamharia-village-became-plastic-and-garbage-free